साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता समय की जरूरत - प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल

वर्धा. वर्तमान में अपने अधिकांश दैनंदिन कार्यों के लिए देश की बड़ी आबादी इंटरनेट से जुड़े

कंप्यूटरों और स्मार्टफोनों का उपयोग कर रही है। इससे एक ओर हमारे अनेक कामकाज घर बैठे

अत्यंत सरलता से हो जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर डिजिटल संसार में वायरस, मालवेयर आदि के कारण व्यक्तिगत सूचनाओं, फाइलों अथवा डाटा के नष्ट या चोरी होने का खतरा निरंतर बढ़ रहा है। रोज कितने ही लोग और संस्थान ठगी तथा संवेदनशील सूचनाओं की चोरी के शिकार हो रहे हैं । उक्त आशय के विचार महात्मा गाँधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल ने व्यक्त किए। इसके साथ ही उन्होंने आगे कहा कि अब तक विश्व के समक्ष पंचतत्वों की ही सुरक्षा की समस्या थी, पर अब साइबर अपराधों की बढ़ती संख्या ने डाटा और सूचनाओं की सुरक्षा के लिए जटिल विश्वव्यापी समस्याएँ खड़ी कर दी है। इससे निपटने के लिए तकनीकी विकास के साथ ही हर व्यक्ति को साइबर खतरों का ज्ञान और उसके प्रति सतर्कता जरूरी है। कुलपति शुक्ल ने यह भी बताया कि देश के सामने मौजूद खतरों के कारण ही भारत सरकार ने अब एक ही जगह जो तीन राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार नियुक्त किये हैं, उनमें से एक साइबर सुरक्षा सलाहकार है। प्रो. शुक्ल भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (AICTE) प्रशिक्षण और अधिगम (अटल) अकादमी कार्यक्रमों के अंतर्गत दिनांक 14/10/19 से 18/10/2019 तक 'साइबर सुरक्षा' विषय पर आयोजित कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में ग़ालिब सभागार में अध्यक्ष के रूप में बोल रहे थे । अपने स्वागत भाषण में भाषा विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो. हनुमान प्रसाद शुक्ल ने कार्यशाला के प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए इस आयोजन की सफलता की शुभकामनाएँ दीं। कार्यशाला के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कार्यशाला के संयोजक डॉ. धनजी प्रसाद ने बताया की अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (AICTE) ने देश के उच्च शिक्षा संस्थानों में ज्ञान-विज्ञान के नए क्षेत्रों में कार्यक्रम आयोजित करने के उद्देश्य से AICTE Training and learning (ATAL) अटल अकादमी की स्थापना की है। अटल अकादमी के अंतर्गत 09 विषयों पर भारत के 200 उच्च शिक्षण संस्थानों में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें 'साइबर सुरक्षा' एक प्रमुख विषय है। 'साइबर सुरक्षा' विषय पर हिंदी में आयोजित हो रही यह देश की पहली कार्यशाला है। इसमें विविध प्रकार के साइबर खतरों और उनसे सुरक्षा के विषय में विशेषज्ञों द्वारा सैद्धांतिक और प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया जाएगा । अंत में एक वस्तुनिष्ठ जांच परीक्षा भी आयोजित की जाएगी, जिसमें प्रतिभागियों को न्यूनतम 60% अंक पाना आवश्यक होगा।

उद्घाटन कार्यक्रम का संचालन डॉ. अनिल कुमार दुबे ने तथा आभार प्रदर्शन प्रो. अनिल कुमार पाण्डेय ने किया। इस अवसर पर भारी संख्या में विश्वविद्यालय शिक्षक, शोधार्थी और विद्यार्थी उपस्थित थे ।

__---------------------------------

सायबर सुरक्षेप्रती जागरूकता काळाची गरज- प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल

हिंदी विश्वविद्यालयात सायबर सुरक्षेवर पाच दिवसाची कार्यशाळा

वर्धा, 14 ऑक्टोबर 2019: हल्ली आपण दैनंदिन कार्यासाठी इंटरनेटशी जोडलेले कंप्यूटर आणि स्मार्टफोन यांचा उपयोग करत आहोत. यामुळे आपली कामे सहजपणे होत आहेत, परंतु दूसरीकडे डिजिटल दुनियेत

व्हायरस, मालवेयर इत्यादि कारणामुळे व्यक्तिगत माहिती, फाइली अथवा डाटा नष्ट होणे वा चोरी होण्याचे धोके निरंतर वाढत आहेत. दररोज कितीतरी लोक तसेच संस्था फसवणूक तथा संवेदनशील माहितीच्या चोरीचे शिकार होत आहेत. हे धोके टाळण्यासाठी सायबर सुरक्षेविषयी जागरूकता आवश्यक आहे असे विचार महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयाचे कुलगुरु प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल यांनी व्यक्त केले. देशापुढील धोक्यांमुळेच भारत सरकारने आता तीन राष्ट्रीय सुरक्षा सल्लागार नियुक्त केले आहेत त्यातील एक सायबर सुरक्षा सल्लागार आहेत असेही ते म्हणाले. प्रो. शुक्ल भाषाविज्ञान व भाषा प्रौद्योगिकी विभागाच्या वतीने अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (AICTE) प्रशिक्षण आणि अधिगम (अटल) अकादमी कार्यक्रमा अंतर्गत दिनांक 14 ते 18 आक्टोबर पर्यंत 'सायबर सुरक्षा' विषयावर आयोजित कार्यशाळेच्या उद्घाटन सत्रात कार्यक्रमाचे अध्यक्ष म्हणून बोलत होते. गालिब सभागृहात कार्यशाळेचे उदघाटन सोमवारी झाले. स्वागत भाषणात भाषा विद्यापीठाचे अधिष्ठाता प्रो. हनुमान प्रसाद शुक्ल यांनी सायबर सुरक्षा सर्वांकरिता कशी गरजेची आहे हे पटवून दिले.कार्यशाळेचे संयोजक डॉ. धनजी प्रसाद यांनी अटल अकादमी अंतर्गत 9 विषयांवर भारतातील 200 उच्च शिक्षण संस्थांमध्ये प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करण्यात येत आहेत ज्यात 'सायबर सुरक्षा' एक प्रमुख विषय आहे. 'साइबर सुरक्षा' वर हिंदी मध्ये होत असलेली ही देशातील पहली कार्यशाळा होय. यात विविध प्रकारचे सायबर धोके,सुरक्षा उपाय यावर सैद्धांतिक आणि प्रायोगिक प्रशिक्षण दिले जाईल. शेवटी एक वस्तुनिष्ठ परीक्षा घेण्यात येईल असे ते म्हणाले.

कार्यक्रमाचे संचालन भाषा' विद्यापीठाचे डॉ. अनिल कुमार दुबे यांनी केले व आभार प्रो. अनिल कुमार पांडे यांनी मानले. कार्यशाळेत मोठ्या प्रमाणात शिक्षक व विद्यार्थी सहभागी झाले आहेत.